सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 122 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 8 जून, 2026

मूल्य ₹ 3/-

जिस प्रकार एक सूखे पेड़ को अगर आग लगा दी जाये तो वह पूरा जंगल जला देता है, उसी प्रकार एक पापी पुत्र पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है।

–चाणक्य

महिला क्रिकेट के सबसे बड़े महाकुंभ के लिए... 7 | रास चुनाव में कांग्रेस चलेगी नया... 3 | कमलेश बिंद एनकाउंटर मामले की... 2

इंडिया गठबंधन बैठक से एनडीए में घबराहट

राहुल के नेतृत्त्व में विपक्ष एकजुट

» मोदी सरकार के खिलाफ महागठबंधन 2.0 की पटकथा लिखी जा रही है?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आज जो हुआ वह सिर्फ एक राजनीतिक बैठक नहीं थी। यह सत्ता के गलियारों में गूंजती एक ऐसी चेतावनी दिखी जिसने भारतीय राजनीति के तापमान को अचानक कई डिग्री बढ़ा दिया है।

देश के 23 से अधिक बड़े राजनीतिक दल एक मंच पर दिखाई दिए। मंच पर चेहरे अलग-अलग थे विचारधाराएं अलग थीं राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं अलग थीं लेकिन उन सभी के निशाने पर नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार है। ममता बनर्जी की पहल पर बुलाई गई इस बैठक में उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, वामपंथी दलों के प्रतिनिधि और कई क्षेत्रीय ताकतें मौजूद रहीं। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि कौन आया और कौन नहीं आया। असली सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि वर्षों तक एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले नेता अब एक ही मेज पर बैठकर आर पार की लड़ाई की बात कर रहे हैं?

मोदी सरकार पर जमकर हमला

बैठक में मोदी सरकार पर बेहद गंभीर आरोप लगाए गए। विपक्ष का कहना है कि देश में लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर की जा रही हैं। संविधान की मूल भावना पर लगातार चोट हो रही है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार की तरह किया जा रहा है और करोड़ों लोगों की रोजी रोटी से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है। विपक्ष यह भी दावा कर रहा है कि मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर ऐसे सवाल खड़े हो रहे हैं जो लोकतंत्र की बुनियाद को प्रभावित कर सकते हैं।

साझा राष्ट्रीय अभियान की जमीन तैयार

कांग्रेस के साथ 23 दल

राजनीति में आरोप लगाना नयी बात नहीं है। नयी बात यह है कि इस बार विपक्ष केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं कर रहा बल्कि एक साझा राष्ट्रीय अभियान की जमीन तैयार करता दिख रहा है। राहुल गांधी लंबे समय से लोकतंत्र संविधान और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। अब उन्हीं मुद्दों पर कई क्षेत्रीय दल भी सार्वजनिक रूप से सहमति जताते दिखाई दे रहे हैं।

दिल्ली की यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब देश की राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। एक तरफ भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करती है और लगातार चुनावी सफलताओं का हवाला देती है। दूसरी तरफ विपक्ष यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है कि लड़ाई सिर्फ सत्ता की नहीं बल्कि व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं की है।

क्या इस जमावड़े में सरकार को हिलाने का दम है?

कागज पर देखें तो इस बैठक में शामिल दलों के पास करोड़ों वोट हैं कई राज्यों में इनकी सरकारे रही है या फिर हैं। यह दल क्षेत्रीय स्तर पर मजबूत जनाधार रखते हैं। ममता बनर्जी बंगाल में प्रभावशाली हैं, अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में बड़ी ताकत हैं, उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं और दक्षिण भारत में भी कई क्षेत्रीय दल भाजपा को चुनौती देते हैं। लेकिन भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि केवल नेताओं की संख्या से सरकारें नहीं हिलतीं। विपक्ष की सबसे बड़ी चुनौती हमेशा नेतृत्व, एजेंडा और आपसी भरोसा रही है। जब तक सभी दल एक साझा रणनीति और स्पष्ट लक्ष्य पर सहमत नहीं होते तब तक ऐसी बैठकें सुर्खियां तो बनाती हैं लेकिन परिणाम नहीं। भाजपा की ताकत सिर्फ नरेंद्र मोदी नहीं हैं। उसका विशाल संगठन, बूथ स्तर तक फैला नेटवर्क और संसाधनों की उपलब्धता उसे अलग बढ़त देते हैं। विपक्ष को यदि वास्तव में चुनौती पेश करनी है तो उसे केवल मोदी विरोध नहीं बल्कि वैकल्पिक राजनीतिक दृष्टि भी प्रस्तुत करनी होगी। पूरे सूरतेहाल को देखने के बाद कहा जा सकता है कि विपक्षी राजनीतिक एकता लगातार बढ़ रही है। सत्ता एक ही फार्मूले पर चलती है फूट डालो राज करो। सवाल यही है कि समय बदल गया है और कल तक जो राजनीतिक दल एक दूसरे को कोसते थे आज वह सब एक प्लेटफार्म पर बैठकर मोदी सरकार को हटाने की प्लानिंग कर रहे हैं।

जांच एजेंसियों का इस्तेमाल डराने के लिए किया जा रहा है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक में बोलते हुए कहा कि मैं इंडिया समूह के नेताओं की इस बैठक में आप सभी का स्वागत करता हूं। यह समूह लगभग ठीक तीन साल पहले अस्तित्व में आया था। मैं ज्यादा नहीं बोलना चाहता क्योंकि हमारे सामने मौजूद मुद्दे आप सभी अच्छी तरह जानते हैं। हमने 17 अप्रैल को लोकसभा में अपनी एकजुटता और एकता को बहुत निर्णायक तरीके से दिखाया जब हम सबने मजबूती से एकजुट होकर डिलिमिटेशन पर केंद्र सरकार के दुर्भावनापूर्ण बिलों को परास्त किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अब हमें उसी भावना को और मजबूत करना है और आगे बढ़ाना है ताकि केंद्र सरकार के कुशासन के कारण देश के सामने खड़ी कई राजनीतिक आर्थिक

सामाजिक और विदेश नीति से जुड़ी चुनौतियों का सामना किया जा सके। एसआईआर के कारण करोड़ों लोगों से उनका मताधिकार छीना जा रहा है। संविधान पर हमला लगातार जारी है। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को परेशान करने और डराने-धमकाने के औजार के रूप में लगातार किया जा रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गैर भाजपा सरकारों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। जरूरी वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और आर्थिक माहौल बेहद नकारात्मक है। नई नौकरियां पैदा करने के लिए जिस रफ्तार से नए निवेश आने चाहिए, वे बिल्कुल उस रफ्तार से नहीं आ रहे हैं। कई क्षेत्रों में निजी एकाधिकार बढ़ रहा है और एमएसएमई का भविष्य गंभीर संकट में है। परीक्षा प्रणाली के पूर्ण कुप्रबंधन के कारण हमारे लाखों युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात किया जा रहा है। समाज के कमजोर वर्गों पर अत्याचार खासकर भाजपा शासित राज्यों में लगातार जारी हैं। हमारी विदेश नीति के साथ पूरी तरह से समझौता किया गया है और उन पारंपरिक मूल्यों को कायम नहीं रखा गया है जिनका भारत लंबे समय से पुरजोर समर्थन करता रहा है।

नहीं पहुंचे आप और डीएमके नेता

आज की दिल्ली में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक से आम आदमी पार्टी और डीएमके ने दूरी बना कर रखी। डीएमके की दूरी तो समझ में आती है लेकिन आम आदमी पार्टी की गठबंधन से दूरी एक नये सवाल को जन्म दे रही है कि अरविंद केजरीवाल कौन सी राजनीतिक खिचड़ी पकाने के चक्कर में हैं। जानकारों के मुताबिक आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन के मंच पर पंजाब चुनाव के कारण दूरी बना रही है। क्योंकि पंजाब में आप और कांग्रेस दोनों सशक्त दल है। सवान यही है कि अगर दो मजबूत लोग एक मंच पर आते हैं तो मंच और मजबूत होता है ऐसे में विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ साझा रणनीति बनाने का दावा कर रहा था तब इन दोनों दलों की गैरमौजूदगी ने विपक्षी एकता की तस्वीर पर हल्का सा धब्बा जरूर लगा दिया।

कमलेश बिंद एनकाउंटर मामले की जांच सीबीआई करे : अफजाल

» भाजपा सरकार पर सपा सांसद बरसे, बोले-बिहार से उठाकर यहां मारा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजीपुर। गाजीपुर में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए कमलेश बिंद को लेकर सपा ने भाजपा सरकार को घेरा है। बिंद के परिवार से मिलने के लिए गाजीपुर के समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी पहुंचे। सांसद अफजाल अंसारी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। इसके बाद अफजाल अंसारी ने विनीत राय हत्याकांड और कमलेश बिंद एनकाउंटर मामले की जांच सीबीआई से करने की मांग की।

सांसद अफजाल अंसारी ने कहा कि अब एनकाउंटर होने के बाद तमाम तरह के सवाल उठ रहे हैं और अब बड़े नेता भी इस मामले को उठा रहे हैं। अफजाल अंसारी ने कहा है कि क्या यह सही नहीं है कि उसे बिहार प्रांत से उठाकर लाया गया और यहां पर एनकाउंटर किया गया। उन्होंने कहा कि, पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के समय पूरा परिवार शव के साथ गाड़ी के अंदर बैठे हुए थे। उन्होंने पथराव की घटना का जिक्र करते हुए कहा है कि परिवार के लोगों पर मुकदमा दर्ज कर अब रासुका लगाने की धमकी दी जा रही है। उन्होंने कहा है कि वीडियो बना रहे युवक का पुलिस वाहन के ड्राइवर ने मोबाइल छीन लिया था, जिसके बाद उसके साथ जो लड़के थे कम उम्र के उन बच्चों ने पत्थर चलाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने भी इस मामले पर सवाल उठाया है, ऐसे में अब इस पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि तीनों घटनाओं की जांच सीबीआई को सौंप दिया जाए, जिसमें विनीत राय हत्याकांड, कमलेश बिंद मुठभेड़ और फिर अंतिम संस्कार के वक्त मारपीट और पत्थरबाजी प्रकरण की जांच हो सके।

पुलिस की कार्यशैली पर सांसद नाराज

उन्होंने मुठभेड़ की घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि अब पुलिस क्यों नहीं एक नया कानून बना देती है कि कोतवाल साहब और एसपी साहब ही तय कर देंगे की किसे क्या सजा देनी है। उन्होंने कहा कि इस पर एक कानून बनवाइए और संसद से पास करवाइए, विधानसभा से पास करवाइए और न्यायपालिका को इससे मुक्त कर दीजिए। कोतवाल को न्याय अधिकारी बना दिया जाए और पुलिस अधीक्षक को चीफ जस्टिस बना दिया जाए, जिससे यह लगता है करें कि किसके पैर में गोली मारनी है और किसके छाती में गोली मारनी है। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि यहां पर जो घटना हुई उसका इनपुट पुलिस को पहले क्यों नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि उन्हें यह क्यों नहीं जानकारी मिल पाई कि जिस होटल में दारू, बार और अन्य प्रतिष्ठान चल रहे हैं तो वहां पर सीसीटीवी कैमरा क्यों नहीं लगा? वहां के लोगों का आरोप है कि रात के 12 बजे तक और उसके बाद तक कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। अगर वहां सीसीटीवी कैमरा लगा होता तो यह पता चलता है कि उसे घटना में कमलेश बिंद था या नहीं।

पुलिसकर्मियों ने कमलेश बिंद के परिवार से मारपीट की

सांसद अफजाल अंसारी ने कहा है कि अब ऐसा लग रहा है कि बिंद समाज को इस व्यवस्था में जीने का अधिकार ही नहीं है. घर में घुसकर पुलिस वालों ने उसकी मां और उसकी विधवा पत्नी और अन्य सदस्यों को मारा-पीटा है. गाजीपुर सांसद ने यह भी आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मियों ने सामान में भी तोड़फोड़ की है।

मुठभेड़ में किसी को मारना ठीक नहीं : संजय निषाद

अपनी सरकार पर मुखर हुए कैबिनेट मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गाजीपुर के चर्चित विनीत राय हत्याकांड के आरोपी कमलेश बिंद के पुलिस एनकाउंटर को लेकर योगी सरकार की सहयोगी निषाद पार्टी ने तीखा रुख अपना लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने न सिर्फ एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं, बल्कि गाजीपुर पुलिस की कार्रवाई पर भी गंभीर आपत्तियां जताई हैं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर किसी व्यक्ति को सीधे मुठभेड़ में मार देना उचित नहीं है।

ऐसे मामलों में न्यायिक प्रक्रिया का पालन होना चाहिए। पहले सीतापुर में आयोजित कार्यक्रम और शनिवार को अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. निषाद ने कहा कि अपराधियों की कोई जाति नहीं होती, लेकिन हर आरोपी को आत्मसमर्पण और न्यायिक प्रक्रिया का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति पर अपराध का आरोप है तो उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाना चाहिए, जहां कानून के अनुसार सजा तय हो। उनका दावा है कि विनीत राय हत्याकांड में कमलेश बिंद मुख्य आरोपी नहीं था। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने कहा कि कमलेश की पत्नी ने आरोप लगाया है कि उसके पति को पहले थाने में प्रताड़ित किया गया और बाद में एनकाउंटर कर दिया गया। ऐसे आरोपों के बाद पूरे मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच जरूरी हो जाती है।

मुख्य आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके दिखाएं एसपी

उन्होंने कहा कि यदि पुलिस को कार्रवाई ही करनी थी तो मामले के मुख्य आरोपियों के खिलाफ भी वैसी ही सख्ती दिखाई जानी चाहिए थी। उन्होंने गाजीपुर पुलिस और पुलिस अधीक्षक को चुनौती देते हुए कहा कि यदि कार्रवाई पूरी तरह निष्पक्ष और सही है तो मुख्य आरोपियों के खिलाफ भी ऐसी ही कार्रवाई करके दिखाएं।

कमलेश बिंद के परिजनों और समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के बाद उपद्रवियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाने की पुलिस की चेतावनी पर भी डॉ. निषाद ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अगर रासुका लगाना है तो पहले हम पर लगाएं। हम और हमारे समाज के लोगों पर रासुका लगाकर दिखाएं। उन्होंने कहा कि यदि निषाद-बिंद समाज के लोगों पर इस तरह की कार्रवाई की गई तो प्रदेश की जेलें छोटी पड़ जाएंगी। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। वह इस मामले को मुख्यमंत्री के सामने रखेंगे। उनका आरोप है कि कुछ अधिकारियों की कार्यशैली सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही है और जनता के बीच गलत संदेश जा रहा है।

रासुका की चेतावनी पर भड़के, सीएम से करेंगे शिकायत

इंडिया गठबंधन सिर्फ कमियां छिपाने का माध्यम : चिराग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (आरवी) के प्रमुख चिराग पासवान ने सोमवार को कांग्रेस के साथ मतभेदों के बावजूद तृणमूल कांग्रेस, वामपंथी दलों और अन्य कई दलों की इंडिया ब्लॉक की बैठक में उपस्थिति पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि यह दर्शाता है कि गठबंधन एक-दूसरे की कमियों को छिपाने का माध्यम है। पत्रकारों से बात करते हुए पासवान ने कहा कि टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के बैठक में शामिल होने पर उन्हें आश्चर्य हुआ है।

चिराग ने पश्चिम बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा ममता बनर्जी की आलोचना का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लिए अपने सहयोगी द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम को धोखा दिया और इंडिया ब्लॉक में कथित दरारें यह दर्शाती हैं कि ऐसी बैठकों का कोई अर्थ नहीं है। पासवान ने कहा कि इंडी गठबंधन में जिस तरह की दरारें दिख रही हैं, कांग्रेस द्वारा सत्ता के लिए अपने सहयोगी को धोखा देने के बाद डीएमके का नाराज होना स्वाभाविक है।

ग्रेट निकोबार में पर्यावरण को बचाने को लेकर कांग्रेस ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी क ांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय, नेहरूभवन लखनऊ में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के विरोध में हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत किया। अंडमान निकोबार के जंगल और पर्यावरण को बचाने को लेकर कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे प्रदेश में जागरूकता और हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी द्वारा ग्रेट निकोबार को कार्पोरेट लूट से बचाने एवं आने वाली पीढ़ियों के भविष्य एवं प्रकृति के संरक्षण के अभियान के समर्थन में कांग्रेस कमेटी द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बिहार सरकार नियमानुसार काम नहीं कर रही : मंगनी लाल

राबड़ी आवास के बाहर पहरेदारी करने बैठे राजद नेता, सीएम सम्राट चौधरी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार को अपनी सुरक्षा हटा दी थी। अपने आवास पर तैनात पुलिसकर्मियों को भी वापस लौटा दिया था। इसके बाद राजद ने सरकार पर जमकर हमला बोला था। आज सुबह से ही राजद कार्यकर्ता कुर्सी लगाकर राबड़ी आवास के बाहर बैठ गए।

वहीं राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि सरकार नियम के अनुसार कोई काम नहीं कर रही है। पहले आवास आवंटन पर तानाशाही दिखाई गई और अब नियम के विरूद्ध जाकर सुरक्षा घटा दी गई। सरकार लालू परिवार को हर कदम पर अपमानित करने का कोई कसर नहीं छोड़ रही है। नेताओं के बाहर बैठने के कुछ देर बाद वरिष्ठ नेता शिवचंद्र राम भी कार्यकर्ताओं के साथ राबड़ी आवास के बाहर पहुंचे और जमीन पर धरना दे दिया।

शिवचंद्र राम ने सीएम सम्राट चौधरी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि हमलोग ही अब राबड़ी आवास की सुरक्षा करेंगे। सरकार लगातार लालू परिवार के साथ साजिश रच रही है। हमलोग इस अपमान के सामने झुकने वाले नहीं है। लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव को जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई थी। कुछ दिन पहले उनकी सुरक्षा में अचानक से कटौती कर दी गई। सत्तापक्ष में दर्जनों ऐसे लोग हैं जो कि न बिहार सरकार में मंत्री और न ही अन्य किसी बड़े पद पर हैं फिर भी उन्हें सुरक्षा दी जा रही है। सामाजिक और राजनीतिक रूप से राजद का जनाधार ज्यादा है। इसलिए खतरा भी ज्यादा है।

सुरक्षा व्यवस्था तय मानकों के अनुसार दी जाती है : श्रवण

इधर, राबड़ी परिवार के सुरक्षा में कमी और सुरक्षा न लेने के सवाल पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था तय मानकों के अनुसार दी जाती है। सरकार ने सुरक्षा उपलब्ध करवाई है लेकिन उसे लौटा दिया गया है। वहीं संतोष कुमार सुमन ने कहा कि सरकार और खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार सुरक्षा की श्रेणी तय करती है। इसमें किसी शख्स की भूमिका नहीं होती है। इसलिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर राजद का यह आरोप गलत है।

रास चुनाव में कांग्रेस चलेगी नया दांव

कर्नाटक में भाजपा को मौके पर करेगी मात

» टीएमसी व टीवीके का भी पड़ेगा असर

» विपक्ष की टूट-फूट का लाभ उठा सकती है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में सीएम बदल चुका है। वहां अब नए तरह की राजनीति दिखाई देगी। सीएम शिवकुमार ने अपने शपथ ग्रहण में विपक्षी एनडीए के दो दलों भाजपा प जेडीएस के बड़े नेताओं पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा व राज्य के पूर्व सीएम वाईएस येदयूरप्पा को भी आंत्रित किया था।

भाजपा के बाद कांग्रेस आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए कर्नाटक से बाहर के नेताओं पर दांव खेल सकती है। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी की ओर से 18 जून को होने वाले द्विवार्षिक चुनावों में राज्यसभा की चार सीटों में से तीन सीटें जीतने की संभावना है। ऐसे में पार्टी हाईकमान द्वारा राज्य के बाहर से किसी कांग्रेस नेता को नामित करने पर विचार किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इस रेस में तीन नाम सबसे आगे चल रहे हैं। ये हैं वाईएस शर्मिला , सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा।

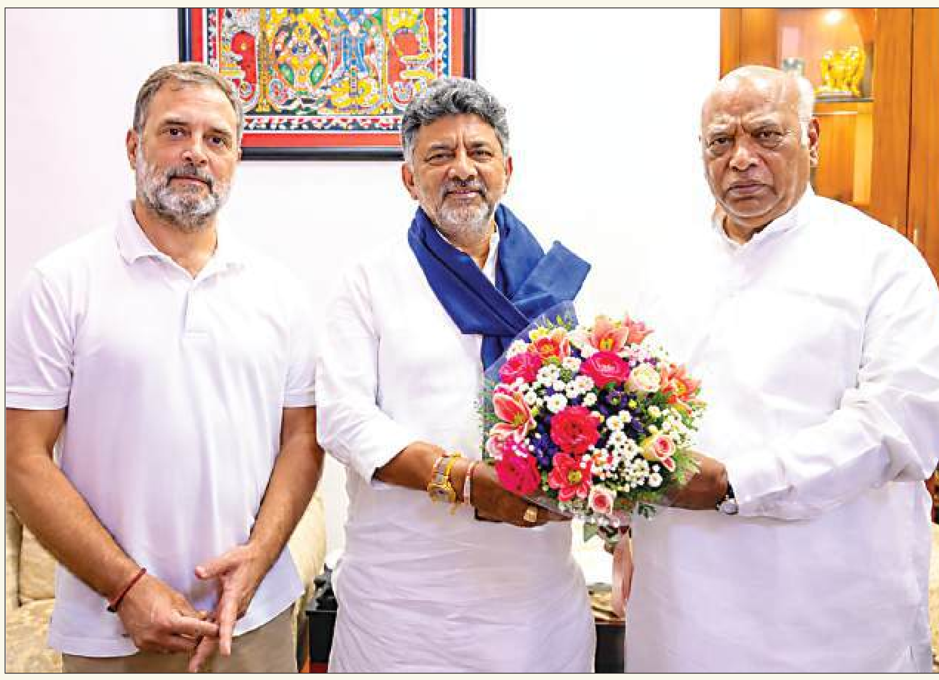

कर्नाटक से बाहरी को चुने जाने का रहा इतिहास

कर्नाटक में राज्य के बाहर के नेताओं को राज्यसभा के लिए चुने जाने का इतिहास रहा है। 24 में कांग्रेस ने दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय माकन को उच्च सदन के लिए मनोनीत किया था। भाजपा ने भी राज्य से गैर-कर्नाटक नेताओं को मैदान में उतारा था, जिनमें केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी शामिल थीं। निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और मुख्यमंत्री पद के लिए नामित डी.के. शिवकुमार अगले कुछ दिनों में नई दिल्ली में केंद्रीय नेताओं के साथ परामर्श के दौरान राज्यसभा के लिए पार्टी के उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की उम्मीद है।

विधानसभा सीटों के लिए चुनाव

विधानसभा निर्वाचक मंडल की सात विधानसभा सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव 18 जून को होंगे। सूत्रों के अनुसार, चूंकि पार्टी राज्य में सत्ता में है, इसलिए नेता राज्यसभा सदस्य बनने के बजाय एमएलसी बनने के लिए जोरदार पैरवी कर रहे हैं। सात सीटों के लिए चुनाव होने वाले हैं। सत्ताधारी पार्टी को आराम से चार सीटें जीतने की उम्मीद है।

वाईएस शर्मिला रेस में सबसे आगे थी पर निराश

द हिंदू की एक रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक के बाहर के तीन नेता वाईएस शर्मिला, सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा कर्नाटक से राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस नेतृत्व से संपर्क साध रहे थे। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा शर्मिला की हो रही थी। शर्मिला भी सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं।

शर्मिला ने अपनी वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया। उन्होंने दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल हुई थी। उन्हें उम्मीदवारों में सबसे आगे माना जा रहा था पर निराशा हाथ लगी।

एनडीए राज्यसभा में और होगी मजबूत

राज्यसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की राह हालिया चुनाव परिणामों के बाद आसान होती दिख रही है। हाल ही में आम आदमी पार्टी के सांसदों के पाला बदलने और तमिलनाडु में थलपति विजय के उदय के बाद बदले समीकरणों से बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन को बड़ी मजबूती मिली है। इतना ही नहीं टीएमसी में बगावत से भी एनडीए को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

तमिलनाडु में डीएमके अन्य विकल्प चुनने में लगी

वहीं, दूसरी ओर डीएमके तमिलनाडु में कांग्रेस के विजय के नेतृत्व वाली टीवीके के साथ चले जाने के बाद अपने विकल्पों पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि डीएमके अपने धुर विरोधी एआईएडीएमके को बाहरी समर्थन देने सहित कई अन्य विकल्पों पर विचार कर रही है। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं है।

आप सांसदों का विलय का प्रभाव

आम आदमी पार्टी (आप) के 7 सांसदों के भाजपा में विलय को राज्यसभा अध्यक्ष द्वारा मंजूरी मिलने के बाद, उच्च सदन में भाजपा की व्यक्तिगत संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है औ एनडीए की ताकत 145 तक पहुंच गई है। साधारण बहुमत 123 के लिहाज से सरकार पूरी तरह सुरक्षित है और अब वह दो-तिहाई बहुमत 164-165 के जादुई आंकड़े के बेहद करीब आ गई है।

सुप्रिया श्रीनेत व पवन खेड़ा कांग्रेस का मुखड़ा

सुप्रिया श्रीनेत फिलहाल कांग्रेस की सोशल मीडिया और डिजिटल कम्युनिकेशन की प्रेसीडेंट हैं और पार्टी की एक प्रमुख प्रवक्ता हैं। वह अक्सर टीवी पर होने वाली डिबेट में कांग्रेस के पक्ष में बेहद मुखरता से बोलती हैं। पवन खेड़ा हाल ही में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी द्वारा उनके खिलाफ दायर एक मामले के संबंध में सुर्खियों में रहे हैं। हाल ही में वह NEET पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घेरते हुए दिखे थे।

सिद्धारमैया को भेजने की भी चर्चा

रिपोर्ट में यह भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी के कुछ नेता सिद्धारमैया को राज्यसभा भेजने के पक्ष में हैं। हालांकि, सिद्धारमैया ने यह साफ कर दिया है कि वह राज्य की राजनीति में सक्रिय रहना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के राज्यसभा के लिए फिर से चुनाव लड़ने की उम्मीद है।

लिंगायत समुदाय बसवराजु 25 साल से पार्टी में सक्रिय

अगर कांग्रेस परिषद (केपीसीसी) वीरशैव-लिंगायत समुदाय से उम्मीदवार नामित करने का फैसला करती है, तो उसके महासचिव बसवराजु एपी को प्रबल दावेदार माना जा रहा था। पिछले लगभग 25 वर्षों में कर्नाटक से इस समुदाय का कोई भी कांग्रेस नेता राज्यसभा के लिए निर्वाचित नहीं हुआ है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद का विधान परिषद में कार्यकाल इस महीने समाप्त हो रहा है। हालांकि राज्यसभा नामांकन के लिए उनके नाम पर भी चर्चा चल रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार वे विधान परिषद में एक और कार्यकाल हासिल करने के इच्छुक हैं और नई सरकार में मंत्री पद के लिए भी पैरवी कर रहे हैं।

टीएमसी में टूट, तमिलनाडु में थलपति विजय की एंट्री का भी होगा असर

संसद के उच्च सदन यानी राज्यसभा में एनडीए को दो तिहाई बहुमत प्राप्त करने की राह अब थोड़ी आसान होती दिख रही है। इसका सबसे बड़ा कारण पश्चिम बंगाल में बीजेपी का सत्ता में आने के साथ टीएमसी में टूट को बताया जा रहा है। वहीं तमिलनाडु में थलापति विजय की पार्टी की एंट्री ने सारा खेल बदल दिया है। जहां एक ओर बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी अब भारी टूट का सामना कर रही है, क्योंकि उसके कुल 80 विधायकों में से 58 विधायकों के बागी गुट ने ममता बनर्जी की पसंद के खिलाफ ऋतब्रता बनर्जी को विपक्ष का नेता चुन लिया है, जो 1998 में उनके द्वारा स्थापित पार्टी में पहला विभाजन है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

पर्यावरण दिवस सिर्फ मनाने का ही नहीं, बचाने का भी समय

"जिस तरह से परिवर्तन देखने को मिल रहा उससे तो यही चर्चा है कि पर्यावरण का विकास के नाम पर जितनी क्षति पहुंचाई जा रही है वह आने वाले समय में मानवीय सभ्यता को इतिहास न बना दे। अब समय आ गया है कि पूरा विश्व एक सोच में आकर पर्यावरण को बचाने की मुहिम में जुट जाए नहीं तो सब तबाह हो जाएगा।

बीते शुक्रवार 5 जून को पूरी दुनिया में पर्यावरण दिवस मनाया गया। पिछले एक दो महीने से मौसम में जिस तरह का उतारचढ़ाव देखने को मिला उसने बदलते मौसम जलवायु का असर देख लिया है। जिस तरह से परिवर्तन देखने को मिल रहा उससे तो यही चर्चा है कि पर्यावरण का विकास के नाम पर जितनी क्षति पहुंचाई जा रही है वह आने वाले समय में मानवीय सभ्यता को इतिहास न बना दे। अब समय आ गया है कि पूरा विश्व एक सोच में आकर पर्यावरण को बचाने की मुहिम में जुट जाए नहीं तो सब तबाह हो जाएगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में वृद्धि से आगामी वर्षों में हीट वेव, गर्मी का मौसम ज्यादा समय तक रहने और सर्दी के मौसम का समय घटने जैसी स्थितियां पैदा होंगी। इस बारे में वैज्ञानिकों का स्पष्ट कहना है कि जिस जलवायु परिवर्तन के बारे में अब तक हम केवल पड़ते-सुनते रहे थे, वह अब हमारे सामने आकर खड़ा हो गया है।

भारत में मई का महीना गर्म हवाओं (लू) का चरम समय होता है और लू की घटनाओं को भी मौसम में दिन-प्रतिदिन बदलाव का स्वाभाविक हिस्सा माना जाता है लेकिन चिंता की बात यही है कि लू की तीव्रता लगातार वर्ष दर वर्ष बढ़ रही है। पिछले करीब डेढ़ दशकों में 2009, 2010, 2016, 2017 और 2022 भारत में रिकॉर्ड किए गए पांच सबसे गर्म वर्ष रहे। आईएमडी के मुताबिक 15 सबसे गर्म वर्षों में से 11 वर्ष 2008 से 2022 के बीच ही दर्ज किए गए। यह जानना भी जरूरी कि हीट वेव आखिर है क्या? जैसा कि नाम से ही जाहिर है, हीट वेव अत्यधिक गर्म मौसम की अवधि है, जो प्राय: दो या ज्यादा दिनों तक रहती है। जब तापमान किसी क्षेत्र के सामान्य औसत तापमान से अधिक हो जाता है तो उसे 'हीट वेव' कहा जाता हं। आईएमडी के अनुसार मैदानी इलाकों का अधिकतम तापमान जब 40 डिग्री सेल्सियस तक और पहाड़ी क्षेत्रों का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो लू चलने लगती है और यदि तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो यह खतरनाक लू की श्रेणी में कही जाती है। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में जब तापमान 37 डिग्री सेल्सियस हो जाता है तो लू चलने लगती है। हीट वेव के कारण लोगों के बीमार होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बहुत बढ़ जाता है तथा सैंकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 1998 से 2017 के बीच हीट वेव के कारण 1.66 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और यह आंकड़ा अब वर्ष दर वर्ष तेजी से बढ़ रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कैमरे की बींधती निगाहों से तंग विराट कोहली

प्रदीप पत्रिका

विराट कोहली, क्रिकेट खेल की श्रेष्ठता और अधिकतम जश्न मनाने का प्रतीक, लगता है अब कैमरों की निरंतर बींधती आंख से तंग आ चुका है। आह, काश उन्हें एक पल के लिए भी उनकी लगातार पीछा करती नजरों से छुटकारा मिल पाता- नजरें जो उनकी निजी जिंदगी तक में ताका-झांकी और दखलअंदाजी करती है, यहां तक कि उनके प्रशिक्षण सत्रों तक में पीछा नहीं छोड़तीं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में, जिसमें उनकी संवेदनशील सोच और बेहतरीन वाकपटुता सामने आई, कोहली ने कैमरों की उन पर लगातार घूमती नजर से एक विनम्र अपील की 'मेहरबानी कर मुझे अकेला छोड़ दो'। वह खिलाड़ी जो उस युग का प्रतिनिधित्व करता हो, जिसमें जीत मनाना वह उन्माद है जो आक्रामक, भयभीत करने वाली शारीरिक भंगिमा के जरिए पाया गया हो।

कुछ तो ऐसा हुआ है जिसने उनके अंतस को इतना परेशान कर डाला कि उन्हें इस प्रकार शिकायत करनी पड़ी। जब किसी खिलाड़ी की निजता में कैमरों की दखल देने वाली नजरें घुसपैठ करने लगें तो ऐसी नाराजगी होना जायज है। जिस दौर में हम जी रहे होते हैं, उससे आकार पाते हैं। क्रिकेट के इतिहास में, जिस प्रकार इसके कप्तान खुद को दुनिया के सामने पेश किया करते थे, तो उनके बदलते व्यवहार का मामूली सा अध्ययन भी बहुत कुछ बता सकता है। आखिरकार, हम वही बनते हैं जो कुछ हमारे अंदर भरा जाता है। इतिहास के इस पहलू की ऐसी पड़ताल जाहिर तौर पर शौकिया है, जिसकी प्रेरणा अधिकांशत: कोहली की सच्ची अपील से मिली है। सत्तर के दशक में, जब 'स्पिन के सरदार' बिशन सिंह बेदी भारत की कप्तानी कर रहे थे, उस वक्त जीत मनाने का इजहार केवल एक हल्की-सी मुस्कान और हल्की ताली बजाकर किया जाता। तब, हर जगह पीछा करने वाली कैमरों की प्रवृति अपनी शैशवास्था में थी, और लोग अपने हीरो को पहचानने के लिए ज्यादातर छपी हुई तस्वीरों पर ही निर्भर थे। यहां तक कि सत्तर के दशक की यह सहज हल्की-सी मुस्कान भी बीते दशक के मंसूर अली खान पटौदी के भावशून्य व करीब अबूझ व्यक्तित्व से नाटकीय रूप में अलग थी।

सुनील गावस्कर द्वारा व्यावहारिक दूरी बनाए रखना, कपिल देव के जमीन से जुड़े उपदेश-भारतीय कप्तानों की लंबी कतार एक ऐसे दौर से जुड़ी थी जहां प्रदर्शनबाजी कम थी; यह कैमरों की दखलअंदाजी करती नजरें धारदार होने से पहले का दौर था। आज के उलट, वह एक बदलाव का दौर था, जब जीत की अभिव्यक्ति गरिमापूर्ण और शांत तरीके से करना आम बात थी-जो आज के दौर में किसी पुरातन युग के अवशेष जैसा है। सचिन तेंदुलकर ने संकोची और अंतर्मुखी मोहम्मद अजहरुद्दीन से कप्तानी संभाली थी और जब तक सौरव गांगुली को सौंपी, तब तक सार्वजनिक नजरों का देखने का ढंग बदलने लगा था, जो धीरे-धीरे और ज्यादा दखल देने वाली होती जा रही थीं। कम बोलने वाले तेंदुलकर ने अपनी एक ऐसी छवि बनाई, जहां लोगों से थोड़ी दूरी बनाए रखने से उनके प्रति सम्मान और भी गहरा हो जाता था। वह क्रिकेट की दुनिया के बाहर अपनी निजी जिंदगी के बारे में बहुत कम बातें बताते थे; एक बेहद निजी और एकांत पसंद व्यक्तित्व, जिसका कम बोलना उनके कद और लोकप्रियता को और भी बढ़ा देता। मीडिया से बात करने में उनकी हिचकिचाहट एक ऐसे इंसान की छवि दर्शाती थी जो उन लोगों के बीच सहज महसूस नहीं करता था जिन पर उसे भरोसा न हो, फिर भी वह उन्हें नाराज न करने का पूरा ध्यान रखते थे। बींधने वाले कैमरे उस समय देर से आए, तब तेंदुलकर के नाम का वजन ही इतना ज्यादा हो चुका था कि उसका बोझ सिर्फ वही उठा सकते थे। एक तरह से, उनके व्यक्तित्व का ओज आस-पास के माहौल को इतना शालीन कर देता था कि वह सबको उनकी निजता में दखल न देने की सावधानी बरतने के लिए

'मजबूर' कर दे। मुखर स्वभाव वाले सौरव गांगुली को इसकी कोई परवाह नहीं थी कि दुनिया उनके बारे में क्या सोचेगी, और उन्हें अपनी निजी और सार्वजनिक जिंदगी के बीच की सीमाएं मिटाने में आनंद आता था।

उन्होंने विवादों का सामना किया और यहां तक कि उन्हें बनाया भी, लेकिन खुद को उनसे ज्यादा परेशान हुए बगैर। बदलते समय में, बाहरी शोर-शराबे से खुद को बचाने के लिए 'मोटी खाल' होना जरूरी हो गया, वह 'खूबी' जिसकी कमी शायद उनके उत्तराधिकारी राहुल द्रविड़ में थी। द्रविड़ तो खैर अपने शानदार रिकॉर्ड बनाने में ही पूरी तरह मग्न रहे। उनके लिए कप्तानी परेशानी का सबब थी, और इसके थकाऊ प्रबंधकीय पहलू से धीरे से दूर हट गए। लगता है महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी सहजता से उस 'राक्षस' के खतरनाक इरादों को बूझ लिया था, जोकि कैमरा बनता जा रहा था।

त्रिभाषा विवाद के यक्ष प्रश्न व कोर्ट से उम्मीदें

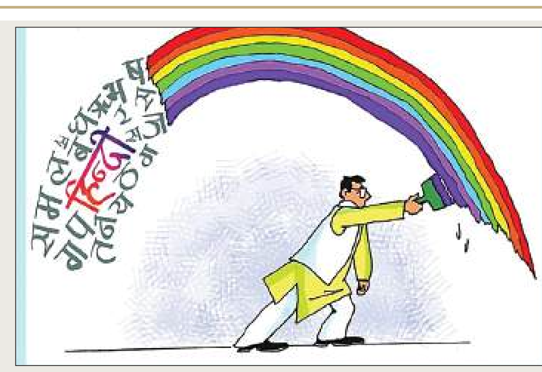

प्रमोद जोशी

नई शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में भाषाओं के अध्ययन से जुड़े कुछ सबसे महत्वपूर्ण सवाल उच्चतम न्यायालय के सामने उठे हैं। इनके पीछे दक्षिण में हिंदी बनाम विदेशी भाषा के मसले भी हैं। अभिभावकों की व्यावहारिक समस्याएं, विद्यालयों के पास उपलब्ध संसाधनों और अध्यापकों की संख्या जैसे सवालों का पिटारा भी अब खुलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गत 27 मई को सीबीएसई की उस नीति को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई है, जिसमें 1 जुलाई से कक्षा 9 के छात्रों के लिए दो भारतीय मूल भाषाओं सहित तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य किया गया है। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की पीठ ने इस मामले में कोई अंतरिम आदेश जारी नहीं किया है, पर उन्होंने केंद्र सरकार, सीबीएसई और एनसीईआरटी को नोटिस जारी करके दो सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब मांगा है।

अदालत ने अलबत्ता यह कहा है कि बोर्ड का तीसरी भाषा को शामिल करने का निर्णय सिद्धांत रूप में 'प्रशंसनीय' हो सकता है, लेकिन इसे वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से लागू करने में कुछ व्यावहारिक प्रश्न उठेंगे। शिक्षकों और पुस्तकों की कमी के मद्देनजर इस नीति को लागू करने की तार्किक और तथ्यात्मक चुनौतियों को लेकर अदालत अधिक चिंतित है। बहरहाल, न्यायालय 15 और 16 जुलाई को दलीलें सुनेगा। उसी समय इस आदेश को लागू किया जा रहा होगा। शैक्षिक-प्रश्न के अलावा यह राजनीतिक प्रश्न भी है। अपनी भाषा-नीति के अनुरूप डीएमके ने इस कदम का विरोध किया है, वहीं कांग्रेस ने बिना परामर्श के अधिसूचना जारी होने की आलोचना की है। दक्षिण भारत, खासतौर से तमिलनाडु में कहा जा रहा है कि सीबीएसई का यह आदेश हिंदी थोपने का प्रयास है। कुछ समय पहले, सीबीएसई ने घोषणा की थी कि तीसरी भाषा की अनिवार्यता को 2029-30 शैक्षणिक वर्ष तक स्थगित कर दिया जाएगा।

यह अचानक बदलाव क्यों? एनईपी 2020, जिसके तहत यह आदेश लागू किया जा रहा है, लचीलेपन का वादा करती है। वह गारंटी देती है कि किसी भी छात्र या राज्य पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी। दूसरी तरफ अभिभावक और शिक्षक बोर्ड परीक्षाओं से ठीक पहले छात्रों पर बढ़ते दबाव को लेकर चिंतित हैं। प्रशिक्षित भाषा शिक्षकों की कमी और उपयुक्त पाठ्य-पुस्तकों की अनुपलब्धता भी चुनौतियां हैं। इस आदेश के विरोधी यह भी कहते हैं कि इससे विदेशी भाषा की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों का अहित होगा। कुछ छात्र पहले से ही फ्रेंच, जर्मन या जापानी जैसी विदेशी भाषाओं का अध्ययन कर रहे हैं। वहीं इस नीति के समर्थक कहते हैं कि स्कूली शिक्षा भारतीय भाषाओं से ऊपर विदेशी भाषाओं को रखना न तो तार्किक है और न ही लाभकारी। विदेशी भाषाओं को वैकल्पिक विषयों के रूप में पढ़ाया जा सकता है। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना, विदेशी भाषाओं को हतोत्साहित करना नहीं है। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में कहा कि यह मुद्दा संघवाद और भाषा के चयन से जुड़े संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा है। भाषा व्यक्तिगत पसंद का विषय है और इसे थोपा नहीं जा सकता।

इस पर पीठ ने कहा कि इस तर्क को उलट कर यह कहा जा सकता है कि अधिक भाषाएं सीखना संघवाद की भावना को लाभ पहुंचाने का काम करेगा। 15 मई को जारी परिपत्र के अनुसार, विदेशी भाषा का चयन करने वाले छात्र दो भारतीय मूल भाषाओं का अध्ययन करने के बाद केवल तीसरी भाषा के रूप में या एक अतिरिक्त चौथी भाषा के रूप में ही ऐसा कर सकेंगे। यह नियम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा 2023 का हिस्सा है। परिपत्र के अनुसार कक्षा 10 में तीसरी भाषा के लिए कोई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। 'आर3 (तीसरी भाषा) के सभी मूल्यांकन पूरी तरह से विद्यालय-आधारित और आंतरिक होंगे। इसका विवरण सीबीएसई प्रमाणपत्र में परिलक्षित होगा। इस नीति के आलोचक मानते हैं कि हिंदी भाषी राज्यों ने तीन-भाषा नीति के प्रति उदासीन रुख अपनाया है, जिनमें से ज्यादातर ने क्षेत्रीय भाषा के बजाय संस्कृत को चुना है। उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान में पहली भाषा अंग्रेजी, दूसरी हिंदी और तीसरी भाषा संस्कृत है। मध्य प्रदेश में अभी दो-भाषा नीति लागू है, जिसमें अंग्रेजी पहली भाषा और हिंदी दूसरी भाषा है।

झारखंड में तीसरी भाषा मुख्य रूप से संस्कृत है, हालांकि कुछ स्कूलों में संथाली जैसी क्षेत्रीय भाषाएं भी पढ़ाई जाती हैं। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में संस्कृत के साथ-साथ गोंडी जैसी क्षेत्रीय भाषा भी पढ़ाई जाती है। परेशानी उन अभिभावकों को होती है, जो एक शहर से दूसरे शहर में जाते हैं और उन्हें अपनी मन-पसंद की विदेशी भाषा पढ़ाने वाला स्कूल नहीं मिलता। मोटे तौर पर बहुसंख्यक गैर-हिंदी राज्यों में बच्चे अंग्रेजी और हिंदी के साथ तीसरी भाषा के रूप में अपनी मातृभाषा सीखते हैं। राज्यों के बोर्ड और सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रमों में टकराव होता है। यह दिक्कत केवल हिंदी क्षेत्रों में ही नहीं है। दक्षिण में भी है, जहां बच्चों को तीसरी भाषा के रूप में तमिल, कन्नड़, मलयालम या तेलुगु पढ़नी पड़ती है। इससे उन्हें दिक्कत होती है, जो कक्षा पांच से जिस तीसरी भाषा को पढ़ रहे होते हैं, उसे छोड़ना पड़ता है। यों पांचवीं कक्षा तक भाषा का मूल्यांकन भी नहीं होता। कुछ लोगों को लगता है कि संस्कृत या उर्दू पढ़ने से उनके बच्चों का करिअर अच्छा नहीं होगा, विदेशी भाषा पढ़ने से होगा।

अंटार्कटिका

पेंग्विन का नाम आते ही सबसे पहले अंटार्कटिका का ख्याल आता है। यहां एम्परर और एडेले पेंग्विन बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। ये दुनिया का सबसे ठंडा महाद्वीप है और बर्फीले वातावरण में रहने के लिए ये प्रजातियां खास तौर पर अनुकूलित हैं। अंटार्कटिका एक महाद्वीप है जो महासागर से घिरा हुआ है। इस सरल भौगोलिक उलटफेर ने दो पूरी तरह से अनूठे विकासवादी रास्ते बनाए हैं। उत्तर में जीवन शक्तिशाली भूमि शिकारियों के साथ विकसित हुआ, जिनमें मुख्य रूप से ध्रुवीय भालू हैं। वहां हर प्राणी, सील से लेकर आर्कटिक फॉक्स तक, शिकारी की छाया को जानता है। लेकिन दोनों ध्रुवों की तुलना करना एक उच्च-सुरक्षा किले की तुलना एक शांतिपूर्ण, अनलॉक गांव से करने जैसा है। वे मौलिक रूप से अलग दुनिया हैं, पूरी तरह से अलग नियमों पर निर्मित।

गैलापागोस द्वीप

यहां गैलापागोस पेंग्विन पाए जाते हैं, जो भूमध्य रेखा के पास रहने वाली दुर्लभ प्रजातियों में से एक हैं। ये इस बात का प्रमाण है कि सभी पेंग्विन केवल ठंडे इलाकों में ही नहीं रहते। ये बहुत मिलनसार होते हैं और पर्यटकों के साथ खेलने आते हैं।

दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका

केप टाउन के पास बोल्डर्स बीच पर अफ्रीकी पेंग्विन देखे जा सकते हैं। ये उन कुछ जगहों में से एक है जहां पर्यटक समुद्र तट पर पेंग्विन को करीब से देख सकते हैं। अर्जेंटीना के पाटागोनिया क्षेत्र और चिली के तटीय इलाकों में मैगेलैनिक पेंग्विन बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। यहां ब्रीडिंग सीजन के दौरान हजारों पेंग्विन एक साथ दिखते हैं। आमतौर पर पेंगुइन को हम काले और सफेद रंग में ही देखते आए हैं, लेकिन इस बार वैज्ञानिकों और फोटोग्राफर्स को एक ऐसा पेंगुइन मिला, जिसका रंग सुनहरा-पीला है।

इन जगहों पर अवश्य देखने जाएं पेंग्विन

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक पेंग्विन का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने लाखों लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पेंग्विन का एक बड़ा झुंड समुद्र की ओर बढ़ रहा है, जहां वे अपना भोजन तलाशते हैं। तभी अचानक एक पेंग्विन रुक जाता है। वो न तो अपने साथियों के साथ पानी की ओर जाता है और न ही वापस कॉलोनी में लौटता है, बल्कि बिल्कुल उल्टी दिशा में बर्फीली पहाड़ियों की तरफ चल पड़ता है। इस अनोखे व्यवहार ने लोगों को हैरान कर दिया है और हर कोई इसके पीछे की वजह जानना चाहता है। दरअसल, पेंग्विन बेहद रोचक और सामाजिक पक्षी होते हैं, जो खास भौगोलिक क्षेत्रों में पाए जाते हैं। अगर आप भी पेंगुइन को करीब से देखने का सपना देखते हैं, तो ये जानना जरूरी है कि वे दुनिया के किन-किन हिस्सों में रहते हैं और किन परिस्थितियों में अपना जीवन बिताते हैं।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया के फिलिप आइलैंड पर लिटिल पेंग्विन पाए जाते हैं। यहां रोज शाम को पेंग्विन परेड एक बड़ा आकर्षण है, जहां सैकड़ों पेंग्विन समुद्र से लौटते दिखाई देते हैं। वहीं न्यूजीलैंड में येलो-आइड पेंग्विन और ब्लू पेंग्विन मिलते हैं। तटीय क्षेत्रों और छोटे द्वीपों पर ये आसानी से देखे जा सकते हैं। देखने में भले ही कितने सुंदर और मासूम लगें, लेकिन लिटिल पेंगुइन मांसाहारी होते हैं। वे मछली, सक्विड और क्रिल जैसे जीवों का शिकार करते हैं और ज्यादा देर बिना भोजन के रह भी नहीं पाते हैं। इसीलिए वे अधिकांश समय समुद्र में बिताते हैं।

हंसना मना है

गधा- यार मालिक बहुत मारते हैं? कुत्ता- घर छोड़ दे? गधा- नहीं यार! वो हमेशा बेटी से बोलता है, तेरी शादी गधे से कर दूंगा। बस इसी उम्मीद में बैठा हूं!

1 छोटा बच्चा रोड पर पोट्टी कर रहा था, पुलिस ने उसे पकड़ लिया, जब उसे ले जाने लगे तो बच्चा बोला, ओ कानून के रखवालों, सबूत तो ऊठा लो।

सरदार ने सर्दी में AC लगवाया, किसी ने पूछा- इतनी सर्दी में AC? सरदार- ओये मैंने उल्टा लगवाया, गरम हवा अंदर और ठंडी हवा बाहर जायेगी!

आदमी भगवान से- ज़मीन से आसमान तक रोड बना दो, भगवान - असंभव कुछ और मांगो, आदमी - वाईफ को आज्ञाकारी और अकल्मन्द बना दो! भगवान - रोड सिंगल बनाऊं या डबल?

पति-पत्नी मंदिर में पूजा करने गये, पति- तुमने क्या मांगा? पत्नी- आप और मैं सात जन्म तक साथ रहें और तुमने क्या मांगा? पति- भगवान करे ये मेरा सातवां जन्म हो।

वाह प्रभु, अजब तेरी लीला है, चूहा बिल्ली से डरता है, बिल्ली कुत्ते से डरती है, कुत्ता आदमी से डरता है, आदमी बीवी से डरता है, और बीवी चूहे से डरती है।

कहानी | शत्रु को मित्र कैसे बनाएं?

एक राजा ने सपना देखा। उससे एक परोपकारी साधु कह रहा था बेटा! कल रात को तुम्हारी सांप काटने से मृत्यु हो जाएगी। वह सर्प अमुक पेड़ की जड़ में रहता है। वह पूर्व जन्म की शत्रुता का बदला लेना चाहता है। राजा ने अपनी आत्मरक्षा के लिए विचार करने लगा। उसने सोचा कि मधुर व्यवहार से बढ़कर शत्रु को जीतने वाला और कोई हथियार इस पृथ्वी पर नहीं है। शाम होते ही राजा ने उस पेड़ की जड़ से लेकर अपनी शय्या तक फूलों का बिछौना बिछवा दिया, सुगन्धित जलों का छिड़काव करवाया, मीठे दूध के कटोरे जगह जगह रखवा दिये और सेवकों से कह दिया कि रात को जब सर्प निकले तो कोई उसे किसी प्रकार का कष्ट पहुंचाने की कोशिश न करें। रात को सांप अपनी बांबी में से बाहर निकला और राजा के महल की तरफ चल दिया। अपने लिए की गई स्वागत व्यवस्था को देखकर आनन्दित होता गया। कोमल बिछौने पर लेटता हुआ दूध पीता हुआ आगे बढ़ता गया। इस तरह क्रोध के स्थान पर सन्तोष और प्रसन्नता के भाव उसमें बढ़ने लगे। जैसे-जैसे वह आगे चलता गया, वैसे ही वैसे उसका क्रोध कम होता गया। राजमहल में जब वह प्रवेश करने लगा तो देखा कि प्रहरी और द्वारपाल सशस्त्र खड़े हैं, परन्तु उसे जरा भी हानि पहुंचाने की चेष्टा नहीं कर रहे। यह असाधारण सी लगने वाले दृश्य देखकर सांप के मन में स्नेह उमड़ आया। सद्व्यवहार, नम्रता, मधुरता के जादू ने उसे मंत्रमुग्ध कर लिया था। कहां वह राजा को काटने चला था, परन्तु अब उसके लिए अपना कार्य असंभव हो गया। हानि पहुंचाने के लिए आने वाले शत्रु के साथ जिसका ऐसा मधुर व्यवहार है, उस धर्मात्मा राजा को काटूं तो किस प्रकार काटूं? यह प्रश्न के चलते वह दुविधा में पढ़ गया। राजा के पलंग तक जाने तक सांप का निश्चय पूरी तरह से बदल दिया। उधर समय से कुछ देर बाद सांप राजा के शयन कक्ष में पहुंचा। सांप ने राजा से कहा, राजन! मैं तुम्हें काटकर अपने पूर्व जन्म का बदला चुकाने आया था, परन्तु तुम्हारे सौजन्य और सद्व्यवहार ने मुझे परास्त कर दिया। अब मैं तुम्हारा शत्रु नहीं मित्र हूं। मित्रता के उपहार स्वरूप अपनी बहुमूल्य मणि मैं तुम्हें दे रहा हूं। लो इसे अपने पास रखो। इतना कहकर और मणि राजा के सामने रखकर सांप चला गया।

शिक्षा- अतः व्यक्ति व्यवहार कुशल है तो वो सब कुछ पा सकता है जो पाने की वो हार्दिक इच्छा रखता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार की गति बढ़ेगी।

तुला नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। प्रमाद न करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें।

वृषभ प्रभाव क्षेत्र में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी।

वृश्चिक काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है।

मिथुन आज धन लाभ में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा।

धनु प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें। जल्दबाजी में कोई काम न करें। विवेक का प्रयोग करें।

कर्क बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

मकर अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

सिंह घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा।

कुम्भ अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। किसी बड़ी समस्या से निजात मिलेगी। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

कन्या संपति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें।

मीन आज फालतू धन खर्च होगा। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

फिल्म 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर के किरदार पर डायरेक्टर ने मांगी माफी

राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब फिल्म के मेकर्स ने आधिकारिक रूप से माफी मांगी है। फिल्म में जान्हवी कपूर के कुछ सीन को लेकर दर्शकों ने आपत्ति जताई थी, जिसे लेकर डायरेक्टर बुची बाबू सना ने अपना रिएक्शन दिया है। शनिवार सुबह डायरेक्टर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि सिनेमा लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें प्रेरित भी करना चाहिए, न कि किसी को असहज या अपमानित महसूस कराना चाहिए। उन्होंने आगे लिखा कि फिल्म के कुछ सीन को लेकर जो रिएक्शन सामने आए हैं, उन्होंने उन्हें गंभीरता से लिया है। उनका कहना था कि उनका कभी भी किसी महिला किरदार को गलत तरीके से दिखाने का इरादा नहीं था। अगर किसी को ऐसा लगा है, तो वे दिल से माफी मांगते हैं। बुची बाबू सना ने यह भी बताया कि अब फिल्म के कुछ विवादित हिस्सों में बदलाव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समय के साथ दर्शकों की सोच और संवेदनाएं बदल रही हैं, और एक फिल्ममेकर के तौर पर उनकी जिम्मेदारी है कि वे इसका ध्यान रखें। अपने बयान के आखिर में उन्होंने उन सभी लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने अपनी राय ईमानदारी से रखी। राम चरण चार जून को रिलीज हुई पेद्दी में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वह एक ऐसे गांव के व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं जो एक स्पोर्ट्स स्टार होने के साथ-साथ एक कम्युनिटी लीडर भी है। इसमें जान्हवी कपूर, बोमन ईरानी, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्यांशु भी अहम भूमिकाओं में हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं ऐसा समाज चाहती हूं, जहां पर हम बराबर हों : ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा महिलाओं के मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। हाल ही में ऋचा चड्ढा एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। वहां एक महिला ने उनसे लड़कों की सुरक्षा को लेकर सवाल पूछ लिया। महिला ने अभिनेत्री से कहा कि लड़कियों को तो आगे बढ़ाया जा रहा है लेकिन क्या लड़कों को गड्ढे में डाल दें? इस सवाल पर ऋचा थोड़ी हिचकिचाईं। महिला ने ऋचा से कहा यहां पर लड़कियों को बचाने की बात हो रही है लेकिन मैं पूछना चाहती हूं कि लड़कों को कौन बचाएगा? बेटियां तो बहुत पढ़ा लीं, आगे बढ़ा लीं। मगर बेटों का क्या करें? क्या उन्हें गड्ढे में डाल दें? हर बार गलती लड़के की तो नहीं होती ना। इस पर ऋचा ने महिला से पूछा आपको बेटे को किससे बचाना है? तब महिला ने कहा मुझे मुस्कान रस्तोगी और सोनम जैसी महिलाओं से अपने बेटे को बचाना है। वही मुस्कान, जिसने अपने पति को काट कर नीले ड्रम में डाल दिया था। इस डर से मेरा बेटा आज शादी नहीं करना चाहता है। इस पर ऋचा ने उन्हें जवाब दिया आप देखिए कि एक महिला ने क्राइम किया तो इन्हें नाम, केस पता सब याद है। इसकी क्या वजह है? इसकी वजह यह है कि एक आदमी हर रोज ऐसा करता है। महिलाएं कभी-कभी। इस पर महिला जवाब देती है ये बात नहीं है। एनसीआरबी का डेटा कहता है कि एक साल में 92 हजार पुरुष आत्महत्या करते हैं। मैं चाहती हूं कि इस पर आप एक कहानी बनाएं। आप मर्द के दर्द पर कहानी बनाएं। इस पर ऋचा ने कहा मैं चाहती हूं कि मर्द खड़ा होकर यह मान ले कि मर्द को दर्द होता है। उसी दिन मैं कहानी बनाउंगी। मैं ऐसा समाज चाहती हूं, जहां पर हम बराबर हों। जहां मर्द रो सके। इस पर महिला ने कहा संविधान में हमारी पहचान स्त्री-पुरुष की नहीं है। वहां हमारी पहचान हम भारत के लोग हैं से है। बाबा भीमराव अंबेडकर ने हमें समानता दी। मैं चाहती हूं कि आपकी स्टोरी में वह समाज दिखे। अंत में ऋचा ने महिला को ये विचार शेयर करने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस मुद्दे पर और बात करना चाहती हैं तो वह कर सकती हैं।

बेबी डू डाई डू में बेहद खतरनाक रोल में दिखीं हुमा कुरैशी

अपकमिंग एक्शन फिल्म बेबी डू डाई डू के मेकर्स ने इसका एक इंट्रोडक्शन वीडियो जारी किया है। इसमें फिल्म की मुख्य किरदार बेबी कर मर कर के तौर पर एक्ट्रेस हुमा कुरैशी को दिखाया गया है। मेकर्स ने यह भी बताया है कि फिल्म का टीजर जल्द ही रिलीज किया जाएगा। इसकी रिलीज डेट का भी एलान कर दिया गया है।

एनिमेटेड वीडियो में दिखाया गया है कि मुंबई में कई हत्याएं होती हैं। इन घटनाओं से एक रहस्यमयी शख्स जुड़ा है। पुलिस और मीडिया इन घटनाओं के पीछे के व्यक्ति की पहचान करने की कोशिश करती है। इस बीच लाल छाता लिए एक रहस्यमयी महिला घूमती है। वीडियो में एक महिला कहती है कि मेरी

बहन ही कातिल है। उसे मत बताना कि मैंने तुम्हें यह बताया है। वीडियो के आखिर में दिखाया जाता है कि जो महिला लोगों का कत्ल करती है वह कोई और नहीं बल्कि हुमा कुरैशी है। वीडियो में हुमा को बेबी कर मर कर के रूप में दिखाया जाता है। इस किरदार को मेकर्स ने भारत की पहली देसी हॉट वुमन बताया है।

मेकर्स ने जानकारी दी है कि यह फिल्म 3 जुलाई 2016 को रिलीज होगी। फिल्म में सिकंदर खेर, चंकी पांडे, सीमा पाहवा, विद्या मालवड़े और हिमांशु मलिक भी अहम भूमिकाओं में हैं। जसमीत के. रीन और परवेज शेख की कहानी पर आधारित इस फिल्म को गौरव शर्मा और डायरेक्टर नचिकेत सामंत ने मिलकर लिखा है। यह फिल्म सलीम सिब्लिंग्स का नया प्रोडक्शन है, जिसे भाई-बहन हुमा कुरैशी और साकिब सलीम ने शुरू किया था।

हुमा कुरैशी को आखिरी बार हिंदी सीरीज दिल्ली क्राइम के तीसरे सीजन में देखा गया था। उन्होंने पॉलिटिकल ड्रामा महारानी में भी काम किया है। कुरैशी अपकमिंग कन्नड़ एक्शन थ्रिलर टॉक्सिक का भी हिस्सा होंगी। इसमें यश, नयनतारा और कियारा आडवाणी हैं।

भारत का अनोखा शहर! यहां अंडा बेचना भी है कानूनन जुर्म, वजह है अजीबो-गरीब

भारत में खाने-पीने की भिन्नता दुनिया भर में मशहूर है। कहीं लोगों की थाली बिना दाल-रोटी के अधूरी मानी जाती है तो कहीं मछली, अंडा और मांसाहारी व्यंजन रोजमर्रा के भोजन का हिस्सा हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में एक ऐसा शहर भी है जहां अंडा बेचना तक कानूनन अपराध माना जाता है? यह अनोखा शहर है गुजरात का Palitana, जिसे जैन धर्म का सबसे पवित्र तीर्थस्थल माना जाता है।

भावनगर जिले में स्थित पालीताना अपनी धार्मिक पहचान और आध्यात्मिक महत्व के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यहां मौजूद Shatrunjaya Hills पर सैकड़ों जैन मंदिर बने हुए हैं, जहां हर साल हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। जैन धर्म में अहिंसा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है और जीवों की हत्या को पाप माना जाता है। इसी वजह से यहां लंबे समय से मांसाहारी खाद्य पदार्थों की बिक्री को लेकर सख्त नियम लागू हैं। साल 2014 में जैन संतों और स्थानीय समुदाय की मांग के बाद प्रशासन ने एक बड़ा फैसला लिया। इसके तहत पालीताना शहर में मांस, मछली और अंडों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लागू कर दिया गया। इसके बाद यह भारत का पहला और अब तक का एकमात्र ऐसा शहर बन गया, जहां इन खाद्य पदार्थों का व्यापार कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। इतना ही नहीं, पशु वध और मांस से जुड़े कई अन्य व्यवसायों पर भी रोक लगा दी गई। इस फैसले के बाद शहर की पहचान और भी अनोखी हो गई। जहां देश के अधिकांश शहरों में अंडा एक सामान्य खाद्य पदार्थ माना जाता है, वहीं पालीताना में इसकी बिक्री तक की अनुमति नहीं है। स्थानीय प्रशासन इस नियम का पालन सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निगरानी भी करता है। हालांकि, इस फैसले को लेकर अलग-अलग राय भी सामने आई थीं। कुछ लोगों ने इसे धार्मिक भावनाओं और स्थानीय संस्कृति के सम्मान से जोड़कर देखा, जबकि कुछ ने इसे व्यक्तिगत खानपान की स्वतंत्रता के नजरिए से भी चर्चा का विषय बनाया। बावजूद इसके, पालीताना आज भी अपनी विशेष धार्मिक पहचान के साथ कायम है। आज यह शहर सिर्फ अपने मंदिरों के लिए ही नहीं, बल्कि इस अनोखे कानून के लिए भी जाना जाता है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक और श्रद्धालु अक्सर यह जानकर हैरान रह जाते हैं कि यहां अंडा, मांस और मछली बेचना पूरी तरह प्रतिबंधित है। पालीताना इस बात का उदाहरण है कि कैसे किसी क्षेत्र की धार्मिक मान्यताएं और सांस्कृतिक परंपराएं वहां के कानून और जीवनशैली को प्रभावित कर सकती हैं।

अजब-गजब | यहां लगता है अजीबोगरीब मेला

इस आयरलैंड पर सिर्फ लाल बाल वालों की एंट्री, दूर-दूर से एन्जॉय करने आते हैं लोग!

हर साल आयरलैंड में एक ऐसा अनोखा मेला लगता है जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाता है। इस मेले में सिर्फ उन्हीं लोगों को एंट्री मिलती है जिनके बाल लाल हैं। दुनिया भर से लाल बाल वाले लोग इस आयरिश रेडहेड कन्वेंशन में शामिल होने के लिए पहुंचते हैं।

यह मेला अब आयरलैंड की सबसे अनोखी और पॉपुलर घटनाओं में से एक बन चुका है। मेला मुख्य रूप से ग्रीष्म ऋतु में आयोजित होता है। यहां आने वाले लोग लाल बालों की दुर्लभता और सुंदरता को सेलिब्रेट करते हैं। कार्यक्रम में कंसर्ट, डांस, मजेदार कॉम्पिटिशन जैसे रेडहेड ब्यूटी कॉन्टेस्ट, फनी गेम्स, फोटोशूट और ढेर सारी गतिविधियां होती हैं। लोग नए दोस्त बनाते हैं, अपनी कहानियां शेयर करते हैं और लाल बालों पर गर्व करते हैं।

लाल बाल दुनिया में बहुत दुर्लभ माने जाते हैं। सिर्फ 1-2 प्रतिशत आबादी में ही यह जीन पाया जाता है। आयरलैंड में लाल बालों वाले लोगों की संख्या विश्व में सबसे ज्यादा है। यही वजह है कि यहां यह फेस्टिवल खास तौर पर मनाया जाता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस फेस्टिवल की शुरुआत एक ब्लॉन्ड व्यक्ति ने की थी। फिर भी यह इतना सफल हुआ कि हर साल हजारों लोग इसमें शामिल

होते हैं। मेला सिर्फ पार्टी तक सीमित नहीं है। यहां लाल बालों वाले लोग अपनी संस्कृति, चुनौतियों और खास अनुभवों पर चर्चा भी करते हैं। कई लोग बताते हैं कि स्कूल या कॉलेज में उन्हें लाल बालों को लेकर मजाक का शिकार बनना पड़ता था, लेकिन इस मेले में वे अपनी यूनिकनेस पर गर्व करते हैं। यह मेला आयरलैंड के छोटे से कस्बे में आयोजित होता है। यहां का माहौल बेहद उत्साही और रंगीन रहता है। लाल बाल वाले लोग खास कपड़े पहनकर आते हैं। कुछ तो पूरे परिवार के साथ आते हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को यहां मजा आता है। सोशल मीडिया पर इस मेले के वीडियो और फोटो खूब वायरल होते हैं। लोग कमेंट्स में लिखते हैं। फ्काश मेरे भी लाल बाल होते, दुनिया का सबसे यूनिक फेस्टिवल, आयरलैंड की संस्कृति कमाल की है। कई ट्रैवल ब्लॉगर्स खास तौर पर इस मेले को कवर करने आते हैं। आयरलैंड सरकार भी इस फेस्टिवल को बढ़ावा देती है क्योंकि इससे पर्यटन को फायदा होता है। लाल बालों वाले लोग ना सिर्फ आयरलैंड बल्कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप और एशिया से भी आते हैं। यह मेला दिखाता है कि दुनिया कितनी विविध है। जहां कुछ लोग अपनी खासियत को छुपाते हैं, वहीं यहां लोग अपनी खासियत को सेलिब्रेट करते हैं। लाल बालों को लेकर जो पहले मजाक उड़ाया जाता था, अब उसे गर्व की बात माना जाता है।

सरकार चाहती है युवा रील बनाए, सवाल न पूछे : राहुल

» नेता प्रतिपक्ष ने की सीबीएसई और कोएम्प्ट की कथित मिलीभगत उजागर करने वाले छात्र सार्थक की प्रशंसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई और कोएम्प्ट की कथित मिलीभगत उजागर करने वाले छात्र सार्थक सिद्धांत की प्रशंसा की है। उन्होंने इस मुद्दे पर पीएम मोदी पर करारा वार करते हुए कहा कि सरकार चाहती है कि युवा रील बनाएं, लेकिन इन छात्रों ने सवाल पूछकर देश की असली युवा शक्ति का प्रदर्शन किया है। सीबीएसई की ऑनस्क्रीन मार्किंग सिस्टम प्रणाली को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पिछले दिनों झारखंड के रांची के रहने वाले एक छात्र सार्थक सिद्धांत ने अपने ब्लॉग के जरिए इस सिस्टम को लेकर एक बड़ी पड़ताल सामने रखी थी, जिसने शिक्षा विभाग की नींव हिलाकर रख दी है।

अब इस पूरे मामले में कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी की एंट्री हुई है और उन्होंने सार्थक सिद्धांत व उनके दोस्त निसर्ग अधिकारी की जमकर तारीफ की है। राहुल गांधी ने कहा कि सीबीएसई और कोएम्प्ट के बीच चल रही मिलीभगत का पर्दाफाश करके इन युवाओं ने कमाल कर दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश के युवा सिर्फ रील बनाते रहें और पकौड़े तलते रहें, लेकिन इन दोनों युवाओं ने सरकार से जरूरी सवाल भी उठाए और खुद उनके जवाब भी ढूंढ़ निकाले।

कांग्रेस नेता ने मुलाकात का वीडियो किया शेयर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते सार्थक सिद्धांत के साथ हुई अपनी मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। सार्थक, सीबीएसई की ओएसएम प्रक्रिया से प्रभावित छात्र हैं, जिन्होंने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के लिए ओएसएम प्रक्रिया का टेंडर देने वाली वेंडर कंपनी के चयन में कथित अनियमितताओं और गड़बड़ी की तरफ इशारा किया है।

नौजवानों की जीत सही मायने में सरकार की करारी हार

राहुल गांधी ने सार्थक की सराहना करते हुए कहा, सार्थक की उम्र भले ही कम है, लेकिन अपनी सोच, साहस और सिद्धांतों में वह किसी से कम नहीं हैं। उसने और उसके साथी निसर्ग ने वो बड़ा काम कर दिखाया है जो देश के बड़े-बड़े मीडिया घराने और खोजी पत्रकार भी नहीं कर पाए। इन दोनों ने सीबीएसई और कोएम्प्ट के बीच के गठजोड़ को पूरी दुनिया के सामने लाकर रख दिया है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि देश का यह बच्चा सीबीआई से भी तेज निकला और नौजवानों की यह बड़ी जीत सही मायने में सरकार की करारी हार है।

एसआईआर पर नजर रखें फर्जी वोटर्स न जुड़े : फोगाट

» भाजपा सरकार पर पहलवान व कांग्रेस विधायक का करारा अटैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। एशियाई खेलों के चयन ट्रायल के बाद जुलाना पहुंचीं कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने कई मुद्दों पर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एसआईआर में फर्जी वोटर्स को रोकने की मांग की और गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर सरकार की तीखी आलोचना की हरियाणा में शुरू हो रहे एसआईआर के मुद्दे पर उन्होंने कहा, हरियाणा में एसआईआर की शुरुआत हो रही है। इसमें इस बात का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए कि किसी भी फर्जी वोटर का नाम लिस्ट में शामिल न हो और जो असली वोटर्स हैं, उन्हें सूची से बाहर न किया जाए। अपने विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी और गुटबाजी की खबरों पर विनेश फोगाट ने स्थिति साफ की।

उन्होंने कहा, पार्टी के अंदर ऐसी कोई नाराजगी नहीं है। कांग्रेस एक परिवार की तरह है। अगर हमारे अपने परिवार में कोई छोटी-मोटी नाराजगी होती भी है, तो हम उसे आपस में बैठकर सुलझा लेंगे। मैं क्षेत्र में सभी को साथ लेकर चल रही हूं और हर बात की जानकारी दे रही हूं। उन्होंने आगे कहा, इस समय कांग्रेस पार्टी का जोश बहुत हाई है। सभी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाया जा रहा है और पार्टी का रुख बिल्कुल साफ है कि हमें लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना है, न कि किसी एक व्यक्ति से। घरेलू गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों पर विनेश फोगाट ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, गैस की कीमतें तीसरी बार बढ़ाई गई हैं और आने वाले समय में इनके और ज्यादा बढ़ने की आशंका है। हमारे नेता राहुल गांधी पूरे देश के सामने महंगाई की यह बात लगातार रख रहे हैं और यह स्थिति अब सभी को साफ-साफ दिखाई दे रही है।

सरासर अन्याय कर रही है सरकार : महबूबा

» पीडीपी नेता तालिब चौधरी के समर्थन में उतरीं पूर्व सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू के सिधरा में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान गिरफ्तार हुए पीडीपी नेता तालिब चौधरी के समर्थन में महबूबा मुफ्ती ने आवाज उठाई है। उन्होंने चौधरी की गिरफ्तारी को हाशिए पर पड़े आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ने की सजा बताते हुए कहा कि यह कार्रवाई भारत के साथ हमेशा खड़े रहने वाले गुर्जर-बकरवाल समुदाय को गलत संदेश देती है। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अपने पार्टी नेता और आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता तालिब चौधरी की रिहाई की मांग करते हुए कहा कि उनकी गिरफ्तारी गुर्जर-बकरवाल समुदाय को एक ''बेहद नकारात्मक संदेश'' देती है।

महबूबा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीडीपी नेता और प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता तालिब चौधरी को हाशिए पर पड़े आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ने के कारण जेल भेज दिया गया है।'' चौधरी को जम्मू के सिधरा इलाके में अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ झड़प के बाद एक जून को गिरफ्तार किया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''सिधरा में मनमानी तोड़फोड़ की कार्रवाई के खिलाफ शांतिपूर्ण मार्च निकालने मात्र से उनके (चौधरी) साथ अपराधी जैसा व्यवहार करना, भारत के साथ हमेशा खड़े रहने वाले गुर्जर-बकरवाल समुदाय को एक 'बेहद नकारात्मक संदेश' देता है।

अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी की चर्चा पर घमासान

» कांग्रेस में बयानबाजी की बाढ़, राजा वड़िंग बोले- राहुल गांधी जानते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी की अटकलों पर सियासत गरमा गई है। कैप्टन ने कुछ दिन पहले भाजपा नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी की प्रशंसा की थी। इसके बाद से उनके घर वापसी की चर्चा होने लगी हैं। पिछले दिनों हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बयान दिया था कि कांग्रेस छोड़ भाजपाई बन चुके पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह उनके संपर्क में हैं। हालांकि अगले दिन उन्होंने इसका खंडन भी कर दिया था।

इसके बाद से कैप्टन की कांग्रेस में वापसी की अटकलों को और हवा मिल गई थी। इसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस के सीनियर नेता हैं और वे कैप्टन अमरिंदर सिंह के अच्छे दोस्त हैं। दोनों मुख्यमंत्री रहे तो दोनों की आपस में नजदीकियां हैं। कैप्टन के साथ उनकी क्या बात हुई इस बारे में उन्हें मालूम नहीं हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह की कांग्रेस में वापसी की अटकलों पर कांग्रेस सांसद अमर सिंह ने कहा कि वे बहुत वरिष्ठ नेता हैं। मुख्यमंत्री रह चुके हैं और उन्होंने कई जिम्मेदारियां संभाली हैं। हम उनसे कनिष्ठ हैं। अगर कोई बातचीत होनी है, तो उसे सीधे हमारी शीर्ष नेतृत्व संभालेगी।

कैप्टन ने की शाह से मुलाकात पंजाब के मुद्दों पर हुई चर्चा

भाजपा उच्च कमान द्वारा उनसे परामर्श किए बिना केवर सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा अध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले पर आपत्ति जताने के कुछ दिनों बाद, पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और स्वास्थ्य मंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। यह बैठक हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा द्वारा इस बात के संकेत दिए जाने के बाद हुई अटकलों के बीच हुई कि कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस के संपर्क में हैं और अपनी पुरानी पार्टी में लौट सकते हैं। हालांकि, कैप्टन अमरिंदर ने इस सुझाव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि बैठक काफी समय से लंबित थी। उन्होंने कहा मैंने अमित शाह से मुलाकात का अनुरोध किया था और उन्होंने मुझे तुरंत समय दिया। हमने पंजाब से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की।

केरल में बिजली मंत्री के रिश्तेदार ने विवादों के बाद पद से दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवंतपुरम्। केरल के बिजली मंत्री सनी जोसेफ ने सोमवार को कहा कि विपक्ष द्वारा भाई-भतीजावाद का आरोप लगाए जाने के बाद विवाद से बचने के लिए उनके रिश्तेदार ने उनके अतिरिक्त निजी सचिव के पद से इस्तीफा दे दिया। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सत्ता में आने के बाद जोसेफ के रिश्तेदार एवं कांग्रेस नेता बेनी थॉमस को उनका अतिरिक्त निजी सचिव नियुक्त किया गया था।

विपक्ष की आलोचना के बाद थॉमस ने रविवार को मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप दिया। जोसेफ ने कन्नूर में पत्रकारों से बातचीत में थॉमस के इस्तीफे की पुष्टि की। के बाद उन्होंने नियुक्ति के कानूनी पहलुओं की जांच की और पाया कि मंत्रियों के निजी कर्मचारियों में नियुक्तियों के लिए कोई विशिष्ट मानदंड नहीं हैं।

महिला क्रिकेट के सबसे बड़े महाकुंभ के लिए तैयार दुनिया

» इंग्लैंड की नजरें दूसरी टी20 ट्रॉफी पर, पहली बार 12 टीमों की भागीदारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 का पहला मुकाबला 12 जून को खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट का 10वां संस्करण होगा और 2009 के उद्घाटन संस्करण के बाद पहली बार इंग्लैंड इसकी मेजबानी करेगा। टूर्नामेंट में कुल 33 मैच खेले जाएंगे, जिनका आयोजन इंग्लैंड और वेल्स के सात प्रमुख क्रिकेट मैदानों पर किया जाएगा। मेजबान इंग्लैंड टीम 2009 में जीते गए पहले महिला टी20 विश्व कप की सफलता को दोहराने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

उस समय टीम की कप्तान रहीं शार्लोट एडवर्ड्स अब मुख्य कोच की भूमिका निभा रही हैं। न्यूजीलैंड की महिला टीम मौजूदा चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी। व्हाइट फर्न्स ने 2024 में यूएई में आयोजित महिला टी20 विश्व कप जीतकर पहली बार यह खिताब अपने नाम किया था। महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में अब तक केवल चार देशों ने खिताब जीता है। इनमें ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल टीम रही है, जिसने रिकॉर्ड छह बार ट्रॉफी अपने नाम की है। वहीं इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड एक-एक बार चैंपियन बने हैं। टूर्नामेंट में कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान इंग्लैंड को सीधे प्रवेश मिला है, जबकि ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड,

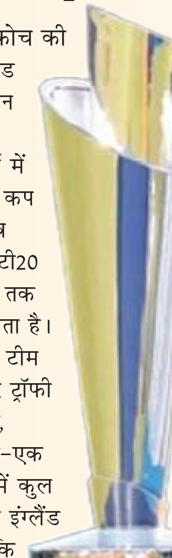

दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज ने आईसीसी रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई किया। इसके अलावा बांग्लादेश, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स ने ग्लोबल क्वालिफायर के जरिए जगह बनाई। खास बात यह है कि नीदरलैंड्स पहली बार महिला टी20 विश्व कप में हिस्सा लेगा। बता दें कि महिला टी20 विश्वकप की ट्रॉफी जीतने में अभी तक भारतीय टीम को सफलता नहीं मिली है। वनडे विश्वकप जीतने वाली हरमनप्रीम के नेतृत्व वाली महिला टीम इस बार टी20 विश्वकप ट्रॉफी पर कब्जा करना चाहेगी।

डेव्यू मैच में मानव सुथार ने खोला पंजा

मुल्लांपुर। भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जा रहे एकमात्र ऐतिहासिक टेस्ट मैच में भारत के 23 वर्षीय युवा स्पिनर मानव सुथार ने अपने ड्रीम डेब्यू पर शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपनी फिरकी के जादू से पहली ही पारी में छह विकेट चटकाए और अफगानिस्तान की पारी को ध्वस्त करने में मुख्य भूमिका निभाई। मैच के पहले ही ओवर में विकेट लेकर उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की। वह करियर के अपने पहले टेस्ट के पहले ओवर में विकेट लेने वाले केवल 8वें भारतीय गेंदबाज़ बने हैं। शानदार गेंदबाजी करते हुए उन्होंने पारी में अपने 5 विकेट पूरे किए, जिसके साथ ही वे डेब्यू टेस्ट में 5 विकेट लेने वाले 10वें भारतीय गेंदबाज बन गए। उनकी सटीक लाइन और टर्न ने अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया, जिसके कारण विरोधी टीम भारतीय टीम के विशाल स्कोर के जवाब में बुरी तरह संघर्ष करती नजर आई। गेंदबाजी से पहले उन्होंने नंबर 8 पर बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाए थे।

राम मंदिर से चंदा गायब होने की खबर के बाद सियासी घमासान

सपा प्रमुख ने लगाया था आरोप, पूर्व सीएम बोले- अदालत स्वतः संज्ञान ले

राम मंदिर ट्रस्ट ने किया आरोपों का खंडन, अखिलेश ने गैस के दाम बढ़ाने पर सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राम मंदिर से चंदे की धनराशि गायब होने की खबर से यूपी समेत पूरे देश में घमासान मच गया। हालांकि सपा के इन आरोपों का राम मंदिर ट्रस्ट ने खंडन कर दिया हे। पूर्व सीएम अखिलेश यादव के दान राशि गुम होने के आरोपों का खंडन करते हुए सभी लेन-देन की पारदर्शिता पर जोर दिया है।

ट्रस्ट के सदस्यों ने कहा कि सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं और लेन-देन का विधिवत हिसाब रखा जाता है, साथ ही नियमित आंतरिक लेखापरीक्षा भी होती है। वहीं सपा प्रमुख ने अदालत से स्वत संज्ञान लेने की बात कही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अदालत से स्वत: संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। वहीं गैस का दाम बढ़ाने व महंगाई पर भी केंद्र सरकार को घेरा।

राम मंदिर में चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब : अखिलेश यादव

अयोध्या स्थित भव्य राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दावा किया कि मंदिर के चढ़ावे में आए करोड़ों रुपये गायब हो गए हैं। इस मामले को लेकर उन्होंने सीधे तौर पर सरकार और मंदिर ट्रस्ट को घेरा है। उन्होंने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि 'राम मंदिर' के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पायी गई है। यादव ने पोस्ट में कहा, ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है।

ट्रस्ट के स्पष्टीकरण पर सपा प्रमुख का सवाल

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंदिर ट्रस्ट की ओर से चंपत राय के जवाब पर तंज कसते हुए कहा कि स्पष्टीकरण ही स्पष्ट नहीं है। यादव ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, 'स्पष्टीकरण ही स्पष्ट नहीं है। लगता है ये इनके (चंपत राय) लिए हर हफ़्ते की साधारण बात है, और इतनी अधिक साधारण है कि ये इसे अब 'उल्लेखनीय' भी नहीं मानते हैं। चेहरे के भाव और देह की हताशा और निराशा से भरी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''ये भी स्पष्ट किया जाए कि 40 सेकंड का स्पष्टीकरण आने में इतने घंटे क्यों लगे और स्पष्टीकरण के नाम पर एक मिनट बोलना भी भारी क्यों पड़ रहा है। प्रदेश सरकार की चुप्पी की तरह ये सफ़ाई भी संदिग्ध है। ऐसा लग रहा है जैसे स्पष्टीकरण के नाम पर शाब्दिक औपचारिकता निभाई जा रही है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज, इस बेहद कमजोर स्पष्टीकरण से और भी अधिक शंकित और आहत हुआ है।

सपा प्रमुख ने खाली गैस सिलेंडर को चूल्हा बना रोटी सेंकते साक्षी का वीडियो शेयर कर लिखा- आपदा में आविष्कार!

पिछले कुछ महीने के भीतर सरकार ने तीसरी बार घरेलू गैस के दाम बढ़ाए हैं। इससे आम जनता को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रयागराज में एक फैमिली ने गैस सिलेंडर को काटकर चूल्हे का शक्ल दे दिया है। घर की महिलाएं इस चूल्हे पर रोटियां सेंकती नजर आई हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश

यादव ने इससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर लिखा है- आपदा में आविष्कार! महंगी हुई गैस तो जिस 'सिलेंडर' से चूल्हा जलता था उसे ही चूल्हा बना लिया। इस वीडियो में प्रयागराज में रहने वालीं साक्षी यादव चूल्हे पर रोटी बनाती दिख रही हैं। उनका कहना है- पहले जब 450 रुपये गैस सिलेंडर का दाम हुआ करता था तब कितनी हाय तौबा मचती थी। अब लगभग दाम 1 हजार रुपये हो गया है। एक मिडिल क्लास फैमिली के लिए बहुत दिक्कत हो गई है। चाहे वह राशन हो चाहे गैस हो, हर चीज महंगी हो चुकी है। महिलाओं की शौक करने की इच्छा खत्म हो चुकी है। अब हम लोग बस घर के बच्चों को खाना खिला लें, वही बहुत है।

दान का हिसाब-किताब पूरी तरह पारदर्शी : चंपत राय

मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि ट्रस्ट नियमित रूप से आंतरिक लेखापरीक्षा कराता है और अब तक कोई उल्लेखनीय अनियमितता नहीं पाई गई है। राय ने एक बयान में कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट समय-समय पर आंतरिक लेखापरीक्षा कराता है, जो ट्रस्ट और भारतीय स्टेट बैंक द्वारा की जाती है। लेखापरीक्षा प्रक्रिया कई दिनों तक चलती है। वर्तमान में भी यही प्रक्रिया जारी है। अब तक कोई उल्लेखनीय बात सामने नहीं आई है। ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेन्द्र दास महाराज ने कहा कि सभी लेन-देन विधिवत दर्ज किए जाते हैं और पूरी पारदर्शिता के साथ संसाधित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं और लिखित रूप में दर्ज किए जाते हैं। सभी लेन-देन का हिसाब-किताब सावधानीपूर्वक रखा जाता है, और सबकुछ सही और पारदर्शी तरीके से चल रहा है। दिनेन्द्र दास महाराज ने कहा कि आपसी सद्भाव और प्रेम है। राम जी सब कुछ देख रहे हैं। लोग चाहे जो कहें, लेकिन राम लल्ला से संबंधित कार्य पूरी तरह से सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने आगे कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ट्रस्ट कभी ऐसी गलती नहीं करेगा।

टीएमसी पर फिर बज्रपात नेताओं से मिला आघात

» एक और नेता ने ममता बनर्जी का साथ छोड़ा

» सुखेंदु रॉय का इस्तीफा और जहांगीर खान हुए अरेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस सांसद सुखेंदु रॉय ने राज्यसभा और पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। ममता बनर्जी को आज दो बड़े झटके लगे हैं। इधर, सुखेंदु रॉय ने टीएमसी से इस्तीफा दे दिया है। उधर, टीएमसी के फायरब्रांड नेता जहांगीर खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद ममता बनर्जी को लगातार एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। पहले ऋतब्रत बनर्जी ने टीएमसी के आधे से ज्यादा विधायकों को अपने साथ मिला लिया। अब अन्य नेता भी धीरे-धीरे ममता बनर्जी का साथ छोड़ रहे हैं। सुखेंदु शेखर रॉय ने राज्यसभा से इस्तीफा देने का संकेत 4 दिन पहले ही दे दिया था। चार जून को सुखेंदु शेखर रॉय ने दावा किया था कि लोकसभा और राज्यसभा के कुछ टीएमसी सांसद इस्तीफा दे सकते हैं।

अब सबसे पहले सुखेंदु शेखर रॉय ने ही इस्तीफा दे दिया है. सुखेंदु रॉय ने टीएमसी में नेता प्रतिपक्ष पर असंतोष बढ़ने को लेकर बड़े दावे किये थे। ऐसे में टीएमसी के और भी सांसद ममता बनर्जी का जल्द ही साथ छोड़ सकते हैं।

राज्यसभा में पड़ेगा असर

बंगाल में राज्यसभा की कुल 17 सीटें हैं, जिनमें से 13 टीएमसी और 3 बीजेपी के पास हैं. टीएमसी के सांसद के इस्तीफा देने के बाद अब यहां उपचुनाव होगा, जिसमें बीजेपी को फायदा हो सकता है, क्योंकि ममता बनर्जी की टीएमसी में अब दो फाड़ हो गई है।

जहांगीर खान जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार

टीएमसी के फायरब्रांड नेता जहांगीर खान को आज जबरन वसूली के आरोप में उत्तर बंगाल में भारत-नेपाल सीमा के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने जहांगीर खान को गिरफ्तारी से दी गई अंतरिम सुरक्षा 26 मई को वापस ले ली थी। जहांगीर खान के खिलाफ दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा थाने में सात एफआईआर दर्ज हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, जहांगीर खान को उत्तर बंगाल में भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। हालांकि, पुलिस ने गिरफ्तारी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। जहांगीर खान 21 मई को फाल्टा विधानसभा उपचुनाव में चौथे स्थान पर रहे थे. हालांकि, उन्होंने चुनाव से कुछ दिन पहले अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा की थी, लेकिन नाम वापस लेने की अवधि समाप्त हो चुकी थी, इसीलिए उनका नाम ईवीएम में दर्ज रहा।

सीएम हेमंत सोरेन को कोर्ट से झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा कानूनी झटका लगा है। रांची स्थित पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष अदालत ने बड़गाईं क्षेत्र की 8.86 एकड़ जमीन से जुड़े मामले में उनकी ओर से दाखिल डिस्चार्ज याचिका को खारिज कर दिया है। विशेष अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पूर्व में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सोमवार को आदेश सुनाते हुए अदालत ने कहा कि उपलब्ध दस्तावेजों और आरोपों के आधार पर इस स्तर पर आरोपी को मामले से मुक्त करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं बनता। इसी के साथ मुख्यमंत्री की डिस्चार्ज याचिका खारिज कर दी गई। यह मामला रांची के बड़गाईं अंचल स्थित शांति नगर क्षेत्र की 8.86 एकड़ जमीन के कथित अवैध अधिग्रहण और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग आरोपों से संबंधित है। मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। जांच एजेंसी ने अपनी पड़ताल के आधार पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आरोपी बनाया है।

मुख्यमंत्री की ओर से 5 दिसंबर 25 को दाखिल डिस्चार्ज याचिका में कहा गया था कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप तथ्यात्मक रूप से सही नहीं हैं और अभियोजन चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। याचिका में यह भी दावा किया गया था कि उन्हें अनावश्यक रूप से आरोपी बनाया गया है तथा ईडी के पास उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है।

हाईकोर्ट ने योगी सरकार की यूपी पुलिस को लगाई लताड़

» अदालत बोली- पुलिस संविधान के बजाय सत्ताधारी पार्टी के प्रति ज्यादा वफादार है

» नेताओं और नौकरशाहों की सामंती सोच से कोर्ट नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली और गैंगस्टर एक्ट के मनमाने इस्तेमाल पर कड़ी टिप्पणी की है। इस टिप्पणी से योगी सरकार पर सवाल उठे हैं। कोर्ट ने कहा है कि फील्ड में तैनात अधिकारियों की वफादारी अक्सर संविधान के प्रति न होकर सत्तारूढ़ व्यवस्था के प्रति दिखाई देती है। ट्रांसफर-पोस्टिंग के दबाव और उसकी अर्थव्यवस्था से वाकिफ होने के कारण अधिकारी अपने आचरण को राजनीतिक आकाओं को संतुष्ट करने के लिए ढाल लेते हैं, जिससे कानून का निष्पक्ष पालन प्रभावित होता है।

जस्टिस विनोद दिवाकर की एकल पीठ के समक्ष यह वाद मूल रूप से एक सिविल मामले से जुड़ा था, जिसे पुलिस ने आपराधिक रंग दे दिया। 23 में याचिकाकर्ता राजेंद्र त्यागी, उनके बेटे और उनकी बहू के खिलाफ गाजियाबाद में गैंगस्टर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। हाई कोर्ट ने मामले की समीक्षा के बाद पाया कि आरोपितों पर धोखाधड़ी या जालसाजी के आरोप तो हो सकते हैं, लेकिन उन पर गैंगस्टर ऐक्ट नहीं लगाया जा सकता था। जस्टिस विनोद दिवाकर ने टिप्पणी की कि नेताओं और नौकरशाहों की सामंती सोच ने लंबे समय से यूपी में संवैधानिक शासन को जनसेवा के बजाय निजी दबदबे का जरिया बना दिया है।

कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग सरकारों के दौरान प्रशासनिक तंत्र में गहरी राजनीतिक घुसपैठ हुई है। कोर्ट ने कहा कि जो अधिकारी वफादार माने जाते हैं, उन्हें मनपसंद पोस्टिंग का इनाम मिलता है जबकि जो अधिकारी आजादी से काम करते हैं, उन्हें सजा के तौर पर कम अहमियत वाली जगहों पर ट्रांसफर कर दिया जाता है - यह एक जानी-मानी बात है।

ट्रांसफर-पोस्टिंग के खेल को अच्छी तरह समझते हैं अफसर

कोर्ट ने आगे कहा, फील्ड अधिकारी ट्रांसफर-पोस्टिंग के खेल को अच्छी तरह समझते हैं और राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए अपना व्यवहार तय करते हैं। एनकाउंटर में हत्याएं, चुनिंदा लोगों पर कार्रवाई और नापसंद लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का इस्तेमाल समय-समय पर कोर्ट का ध्यान खींचता रहा है। अधिकारियों का एक बड़ा हिस्सा कानून के शासन को संवैधानिक जिम्मेदारी के तौर पर नहीं, बल्कि काम में रुकावट के तौर पर देखता है। बिना सही प्रक्रिया के गिरफ्तारियां की जाती हैं, गलत इरादों से स्ह्ढ्ढक्रदर्ज की जाती हैं या दबा दी जाती हैं, और मनमाने ढंग से प्रिवेंटिव डिटेंशन (एहतियाती हिरासत) के प्रावधानों का इस्तेमाल किया जाता है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा